नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू
भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू

संख्याः नराकास/जम्मू/बैठक/2010-राभा. **दिनांकः 03.02.2011**

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू की छमाही बैठक दिनांक 31 जनवरी, 2011 को सायं 3.00 बजे भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू के कान्फ्रेंस हॉल में सम्पन्न बैठक के कार्यवृत्त।

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू की छमाही बैठक दिनांक 31 जनवरी, 2011 (सोमवार) को अपराह्न 3.00 बजे भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू के कान्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक एवं नराकास अध्यक्ष डॉ. राम विश्वकर्मा ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री शैलेश कुमार सिंह, उप निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तर), गाजियबाद, श्री रवि गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक (प्रशासनिक कार्यालय), जम्मू, श्री एस.सी.फोगाड, कमाण्डेंट, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल जम्मू, संस्थान के वरि. वैज्ञानिक, डॉ. आर.के रैणा, प्रशासनिक अधिकारी, श्री ओमप्रकाश तथा नगर जम्मू के केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/ उपक्रमों से आये सभी कार्यालय अध्यक्ष, हिन्दी अधिकारी, राजभाषा अधिकारी, नोडल अधिकारी, हिन्दी अनुवादक तथा प्रिन्ट एवं इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के समस्त संवाददाता उपस्थित थे। बैठक में अधिकारियों/कर्मचारियों की कुल संख्या 80 प्रतिशत से अधिक थी। जिसमें कार्यालय अध्यक्षों की संख्या 75-80 प्रतिशत थी।

'ज्ञानवार्ता' का विमोचन करते हुए दाएं से दूसरे स्थान पर नराकास अध्यक्ष, डॉ. राम विश्वकर्मा एवं अन्य गण्मान्य व्यक्ति।

सर्वप्रथम बैठक में उपस्थित सज्जनों का स्वागत डॉ. अमर सिंह, वरि. हिन्दी अधिकारी एवं सचिव, नराकास, जम्मू ने किया। उन्होंने अपने स्वागत संबोधन में कहा, ''कि इस बैठक में प्रथम अप्रैल, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 के दौरान आपके कार्यालय में राजभाषा हिन्दी में किये गये कार्यो की समीक्षा तथा इससे संबंधित आपके कार्यालयों में उत्पन्न समस्याओं पर चर्चा की जाएगी। संघ के विभिन्न राजकीय प्रयोजनों में इसके प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग प्रति वर्ष एक वार्षिक कार्यक्रम जारी करता है, जिसके अनुसार हम कार्यालयों में राजभाषा के कार्य सम्पन्न करते हैं। चूंकि सरकारी कामकाज में मूल टिप्पण और प्रारूपण के लिए हिन्दी का ही प्रयोग किया जाए। जिसके अन्तर्गत धारा 3(3) का हम सबको अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। यही संविधान की मूलभावना के अनुरूप होगा। सभी भारतीय भाषाएं देश की एकता की प्रतीक हैं। भारतीय संविधान में जो प्रावधान किये गये हैं इसी के अनुसार हमें आदेशों/अनुदेशों का पालन करना चाहिए और राष्ट्रपति जी के संकल्पों का सम्मान करना चाहिए''।

तत्पश्चात् बैठक में उपस्थित सदस्यों के परिचय के साथ ही बैठक की कार्रवाई आरम्भ हुई। सचिव ने गत बैठक के कार्यवृत्त पर चर्चा के दौरान कहा कि सम्माननीय सदस्यों की कोई प्रतिक्रिया, सुझाव अथवा आपत्ति हो तो वे विचार रखें लेकिन माननीय उपस्थित सदस्यों की ओर से कोई आपत्ति एवं प्रतिक्रिया न मिलने पर सचिव ने अध्यक्ष महोदय के अनुमोदन पर गत बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की।

गत बैठक में लिए गये निर्णय और उन पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई इस प्रकार हैः-

1. इस छमाही के दौरान अध्यक्ष नराकास कार्यालय द्वारा दिनांक 7-11 जून, 2010 के दौरान केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के तत्वावधान में पांच दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू के कान्फ्रेंस हॉल में किया गया। जिसमें नराकास जम्मू के केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के राजभाषा अधिकारी एवं हिन्दी अनुवादकों ने प्रशिक्षण लिया। जिसमें व्याख्याता के रूप में अनुवाद ब्यूरो के दो अधिकारियों ने प्रशिक्षण दिया और अध्यक्ष, नराकास डॉ. राम विश्वकर्मा ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए।
2. अध्यक्ष, नराकास द्वारा हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन गया जिसमें सभी सदस्य कार्यालयों के प्रतियोगियों को आमंत्रित किया गया ।
3. नराकास के सभी सदस्य कार्यालयों द्वारा हिन्दी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा/मास का विशेष उत्साह एवं शानदार तरीके से हिन्दी के प्रगति की दिशा में सफल आयोजन किया गया और उनकी रिपोर्टे प्राप्त हुई ।
4. गत बैठक में एक वैज्ञानिक हिन्दी कार्यशाला के आयोजन करने के लिए सदस्यों ने इच्छा व्यक्त की थी, इस बारे में सचिव ने बताया कि राजभाषा विभाग, तकनीकी कक्ष को पत्राचार किया गया लेकिन उनकी तरफ से कोई सकारात्मक जवाब नहीं प्राप्त हुआ । इस बैठक में भी यह विचार हुआ है कि अध्यक्ष, नराकास की तरफ से यूनीकोड पर एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया जाए । ताकि सदस्य कार्यालयों को कम्प्यूटर के माध्यम से हिन्दी कार्य करने में समरूपता आ सके ।
5. गत बैठक में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की गृह पत्रिका के प्रकाशन पर विचार हुआ था। इस बारे में सम्पादक मंडल की बैठक हुई और विधिवत रूप से अध्यक्ष महोदय के अनुमोदन से संपादक मंडल का गठन किया गया और नराकास जम्मू की दिनांक 31 जनवरी, 2011 को बैठक में संस्थान के निदेशक एवं अध्यक्ष, नराकास डॉ. राम विश्वकर्मा ने नराकास जम्मू छमाही राजभाषा गृह पत्रिका **''ज्ञानवार्ता''** के प्रथम अंक का विमोचन किया गया । इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

तदोपरान्त प्रथम अप्रैल, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 के दौरान प्राप्त दोनों प्रगति रिपोर्टो की समीक्षा का संक्षिप्त ब्यौरा सदस्य कार्यालयों के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसमें विभिन्न कार्यालयों की स्थिति इस प्रकार है:-

प्रथम अप्रैल, 2010 से 30 सितम्बर, 2010 के दौरान प्राप्त दोनों प्रगति रिपोर्टो की समीक्षाः-

केन्द्रीय कार्यालय

1. पुलिस उपमहानिरीक्षक, ग्रुप केन्द्र,के.रि.पु.बल
2. पुलिस महानिरीक्षक, सेक्टर मुख्यालय, के.रि.पु.बल
3. पुलिस उपमहानिरीक्षक, के.रि.पु.बल जम्मू रेंज
4. 53वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल
5. 52वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल
6. 110वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल
7. 152वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल
8. 135 बटालियन सीमा सुरक्षा बल
9. फ्रंटियर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल
10. 32वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल
11. 76वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल
12. भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण प्रचालन (जम्मू व कश्मीर)
13. 23 विंग वायु सेना
14. कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)
15. रक्षा सम्पदा प्रधान निदेशालय
16. रक्षा पेंशन संवितरण कार्यालय
17. पत्र सूचना कार्यालय
18. कार्यालय महालेखाकार (हकदारी)
19. रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक उत्तरी कमान
20. क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय प्रादेशिक कार्यालय
21. कार्यालय मुख्य पोस्टमास्टर जनरल
22. भारतीय समवेत औषध संस्थान
23. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग
24. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केन्द्र, मीरा साहिब
25. क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान
26. केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
27. भारतीय सर्वेक्षण विभाग
28. मुख्य अभियंता सम्पर्क परियोजना

29. कार्यालय आयकर आयुक्त (ज.व.क.)आयकर भवन
30. राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय
31. राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड
32. केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र परीक्षण प्रयोगशाला
33. कोयला खान भविष्य निधि
34. डी.ओ.ई.ए.सी.सी.केन्द्र
35. सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विकास संस्थान
36. क्षेत्रीय चारा उत्पादन एवं प्रदर्शन केन्द्र
37. केन्द्रीय एकीकृत एवं नाशीजीव प्रबंधन केन्द्र
38. केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड
39. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान
40. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय
41. क्षेत्रीय तसर अनुसंधान संस्थान
42. विदेश व्यापार का कार्यालय
43. केन्द्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू
44. राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान प.हिमालय क्षेत्रीय केन्द्र
45. 121वीं बटालियन के.रि.पु.बल, कठुआ

बैंक

46. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
47. पंजाब नेशनल बैंक मंडल कार्यालय जम्मू व कश्मीर
48. भारतीय स्टेट बैंक प्रशासनिक कार्यालय
49. बैंक ऑफ बड़ौदा
50. आई.डी.बी.आई.बैंक, जम्मू
51. राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू

कारपोरेशन/निगम

52. भारतीय प्रसार निगम दूरदर्शन केन्द्र
53. पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
54. भारतीय जीवन बीमा निगम, मण्डलीय कार्यालय
55. सलाल पावर स्टेशन एन.एच.पी.सी.लि.ज्योतिपुरम्
56. रूरल इलैक्ट्रीफिकेशन कारपोरेशन लिमिटेड
57. भारतीय खाद्य निगम क्षेत्रीय कार्यालय
58. एअर इण्डिया लिमिटेड
59. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
60. दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कम्पनी लि.मं.कार्या.-1
61. एन.एच.पी.सी.लि., कार्यपालक निदेशक (क्षेत्र-।)
62. एन.एच.पी.सी.लि.,दुलहस्ती पावर स्टेशन किस्तवाड़
63. दि न्यू इण्डिया इंश्योरेंस क.लि. मण्डल कार्यालय-।।
64. मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय दूरसंचार निगम लि.
65. भारतीय खाद्य निगम जिला कार्यालय
66. भारतीय प्रसारण निगम रेडियो कश्मीर
67. हुडको कार्यालय, जम्मू

राजभाषा नीति कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित पर कार्रवाई सुनिश्चित करवाएं:-

1. राजभाषा विभाग प्रतिवर्ष **वार्षिक कार्यक्रम** जारी करता है और पूरे वर्ष इस कार्यक्रम के तहत ही राजभाषा के कार्या सुनिश्चित् किए जाएं और बैठकों में कार्यक्रम पर चर्चा भी की जाए।
2. प्रत्येक सदस्य कार्यालय राकास की बैठकों में हिन्दी पुस्तकों के क्रय पर चर्चा करें और उस चर्चा के दौरान लिए गये निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित् करें ।
3. धारा 3(3) के कार्यान्वयन पर प्रत्येक सदस्य कार्यालय राकास की बैठकों में चर्चा करें और इस बारे में किये गये पत्राचार के अन्तर्गत 'क', 'ख' और 'ग' क्षेत्रों में भेजे गये पत्रों की समीक्षा करें तथा कार्यालय फाइलों पर मूल टिप्पण के बारे में भी कार्रवाई सुनिश्चित् करवाएं । प्रत्येक कार्यालय कार्यालयाध्यक्ष की उपस्थिति में बैठकों का नियमित आयोजन हो तथा बैठकों में लिए गये निर्णयों पर क्रमवार कार्यवृत्त में अनवर्ती कार्रवाई को प्रदर्शित करें।
4. तिमाही हिन्दी प्रगति रिपोर्टे प्रत्येक तिमाही के समाप्ति के 15 दिन के अन्तर्गत राजभाषा विभाग, अपने मुख्यालय तथा अध्यक्ष, नराकास कार्यालय को भिजवाएं।
5. अक्सर देखा गया है कि कुछ सदस्य कार्यालय तिमाही हिन्दी प्रगति रिपोर्टे, राकास की बैठकों के कार्यवृत्त उनके कार्यालय द्वारा प्राप्त नहीं हो रहे हैं। कृपया वे सुनिश्चित करें कि अपने कार्यालय में राजभाषा नीति कार्यान्वयन की दिशा में किए गये कार्यों की रिपोर्ट अवश्य भिजवाएं। प्रत्येक कार्यालयों से यह भी अनुरोध है कि अपने कार्यालयों में हिन्दी कार्यशालाएं, संगोष्ठी, राजभाषा सम्मेलन, प्रत्येक तिमाही के दौरान जैसाकि माननीय

संसदीय समितियों द्वारा निरीक्षण के दौरान आदेश भी किए गये है और राजभाषा नियम के तहत ऐसे प्रावधान भी है कि राजभाषा नीति को प्रभावी बनाने की दिशा में ऐसे आयोजन करना आवश्यक है।

6. प्रत्येक कार्यालयों में द्विभाषी परिपत्र जो आपके कार्यालयों में प्रयोग किए जाते हैं। उन्हें अपने कम्प्यूटर में द्विभाषी टाइप कर सुरक्षित रखें। ताकि समय रहते उनका प्रयोग सम्भव हो।
7. राजभाषा विभाग के आदेश हैं कि प्रत्येक कार्यालय अपने स्तर पर अपनी वेबसाइट द्विभाषी करवाएं।

बैठक में राजभाषा नीति कार्यान्वयन पर चर्चा एवं सदस्यों की प्रतिक्रियाएं उनके महत्वपूर्ण सुझाव जो इस प्रकार हैः-

1. डी.ओ.सी.सी. केन्द्र के संयुक्त निदेशक श्री सुशील गबगोत्रा ने सुझाव दिया कि बेवसाइड द्विभाषी होनी चाहिए साथ ही उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यूनोकोड पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जाए। सचिव ने संक्षेप में बताया कि अपने-अपने कार्यालय के स्तर से बेवसाइट द्विभाषी करने के प्रयास करें। अध्यक्ष महोदय ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि संयुक्त रूप से यूनीकोड पर हिन्दी कार्यशाला करने का सुझाव दिया ।
2. श्री शैलेश कुमार सिंह, उपनिदेशक, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तर), गाजियाबाद ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नरकास जम्मू की ओर से राजभाषा पत्रिका **ज्ञानवार्ता** का प्रकाशन महत्वपूर्ण उपलब्धि है और राजभाषा नीति कार्यान्वयन की दिशा में उत्कृष्ट प्रयास हैं उन्होंने अध्यक्ष महोदय को इस प्रयास के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज़ादी के बाद दिन प्रतिदिन राजभाषा हिन्दी की प्रगति हो रही है और नगर राजभाषा कार्यानवयन समितियों के माध्यम से राजभाषा कार्यान्वयन प्रगति की दिशा में आशा के अनुकूल प्रभावी हुआ है। भारत सरकार, गृह मंत्रालय की ओर से सभी संसाधन उपलब्ध कराने के प्रयास जारी हैं। सरकार का लक्ष्य है कि शतप्रतिशत कार्य हिन्दी में किया जाए और उन्होंने संक्षेप में बताया कि जम्मू नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के माध्यम से पत्राचार में वृद्धि हुई है, जो लक्ष्य से अधिक हैं जबकि हिन्दी प्रशिक्षण/टंकण लक्ष्य से भी अधिक है और उन्होंने प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा, ''कि हिन्दी भाषी क्षेत्रों से भी जम्मू 'ग' क्षेत्र में स्थित नराकास में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो रहे हैं। इसके लिए उन्होंने अध्यक्ष महोदय का आभार व्यक्त करते हुए इस दौरान उन्होंने कई केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों का राजभाषा निरीक्षण भी किया और उन्होंने पाया कि राजभाषा कार्यान्वयन बेहतर ढंग से निष्पादित किए जा रहे हैं। राजभाषा प्रबंधन एवं कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए''।
3. हिन्दी शिक्षण योजना/हिन्दी टंकण/आशुलिपि प्रशिक्षण केन्द्र, जम्मू के सहायक निदेशक, श्री जे.एल.गुप्ता ने हिन्दी शिक्षण योजना और हिन्दी टंकण प्रशिक्षण की कक्षाओं के विषय में विस्तार से समिति को जानकारी दी और उन्होंने बताया कि जम्मू में प्रशिक्षण लक्ष्य से अधिक पूरा कर लिया गया है।
4. उपमहाप्रबंधक, श्री रवि गुप्ता, भारतीय स्टेट बैंक (प्रशासनिक कार्यालय), जम्मू ने हिन्दी की प्रगति एवं विकास के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। अन्त में उन्होंने **ज्ञानवार्ता** में प्रकाशित अपनी स्वरचित **'गज़ल'** का सुन्दर ढंग से वाचन किया। जिस पर सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने कर्तलध्वनि से उनका स्वागत किया ।
5. संस्थान के निदेशक एवं अध्यक्ष, नराकास जम्मू डॉ. राम विश्वकर्मा ने सभागार में उपस्थित नगर के कार्यालय प्रमुखों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि इस प्रकार की बैठकों का आयोजन हम सब मिलकर संयुक्त रूप से एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में बैठकों का आयोजन करें। जैसे एअरपोर्ट, एन.एच.पी.सी. आदि नये-नये लोगों को आमंत्रित करें। जिसमें अच्छे साहित्यकार, लेखक, कवि और अन्तर्राष्ट्रीय उर्दू के लेखकों को भी आमंत्रित किया जाए। जिससे बैठक में राजभाषा की प्रगति एवं विकास के मध्य नजर अच्छे वातावरण के सृष्टि सम्भव हो। उन्होंने कहा

कि संस्थान के पुस्तकालय में उत्कृष्ट हिन्दी साहित्य की पुस्तकें उपलब्ध हैं। अन्य कार्यालयों में अच्छे साहित्य उपलब्ध है जो अध्ययन के लिए उपयोगी है आप लाभान्वित हो सकते है। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में सरकार के आदेशों/अनुदेशों/नियमों का पालन कर रहे हैं और करना भी चाहिए। क्योंकि हम सरकारी नियमों के अनुपालन के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रतिबद्धता हमारी कार्य शैली का प्रमुख अंग है। जिसमें धारा 3(3) का अनुपालन, नियमित बैठकों का आयोजन, हिन्दी प्रगति रिपोर्टो का समय पर भेजना, बैठक में लिए गये निर्णयों को प्रभावी बनाना, हिन्दी कार्य कुशलता को बढ़ाना, हिन्दी संगोष्ठी/कार्यशालाओं का आयोजन, हिन्दी प्रशिक्षण समय से दिलाना, राजभाषा विभाग द्वारा प्रेषित वार्षिक कार्यक्रम को लक्ष्य बनाकर, कार्यान्वयन को सुनिश्चित् करना। संसदीय समितियों के निरीक्षण में सहयोग एवं उनके द्वारा दिए गये आदेशों पर अमल करना, प्रत्येक सदस्य कार्यालयों के माध्यम से गृह पत्रिकाओं के प्रकाशन को गति प्रदान करना। इस वर्ष लगभग समिति के सभी कार्यालयों ने बड़े बेहतर ढंग से हिन्दी दिवस/सप्ताह/पखवाड़े आदि आयोजित किए आप इसी श्रृंखला को भविष्य में भी कायम रखेंगे। गृह पत्रिका **'ज्ञानवार्ता'** का प्रथम अंक आपको समर्पित है। आप लोगों के द्वारा अच्छे लेख प्रस्तुत किए गये हैं हमें आशा है कि अगले अंक में भी आप अच्छी रचनाएं एवं लेख प्रस्तुत करेंगे। सभी लेखकों, रचनाकारों, संपादक एवं संपादक मंडल को हार्दिक बधाई । हिन्दी से जुड़े स्टॉफ सदस्यों ने अपने कार्यालयों में हिन्दी के लिए अच्छे कार्य सम्पादित किये हैं, उन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान किए जा रहे है और कुछ कार्यालय भी जो हिन्दी की प्रगति के लिए अच्छा वातावरण बनाए हुए हैं। हम उनका आभार व्यक्त करना चाहते हैं और संस्थान के वरि. हिन्दी अधिकारी, डॉ. अमर सिंह ने जो इस समिति के सदस्य के रूप अपनी सेवाएं दे रहें हैं और आपसे मिलकर समिति में हिन्दी कार्यान्वयन को दिशा देने में उनका योगदान भी सराहनीय है।

अन्त में संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री ओमप्रकाश ने अध्यक्ष महोदय तथा संस्थान के निदेशक डॉ. राम विश्वकर्मा जी ने इस बैठक में अपना पुर्ण योगदान दिया। हम उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तर) गाजियाबाद से उपनिदेशक, श्री शैलेश कुमार सिंह ने अपना अमूल्य समय दिया हम उनके विशेष आभारी हैं, नराकास जम्मू के सभी केन्द्रीय कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के कार्यालय प्रमुखों, हिन्दी अधिकारियों/हिन्दी अनुवादकों एवं नगर के प्रिन्ट व इलैक्ट्रानिक मीडिया के सभी संवाददाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का सदैव इस बैठक में सहयोग रहा है। बैठक के आयोजन में प्रबंधन के लिए संस्थान के वरि. हिन्दी अधिकारी एवं सदस्य सचिव, डॉ. अमर सिंह तथा समस्त स्टॉफ सदस्यों का आभार सहित धन्यवाद किया।

डॉ. राम विश्वकर्मा
अध्यक्ष
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू

डॉ. अमर सिंह
सदस्य-सचिव
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू